“मैं शिविर के अनुभव से कह सकता हूं कि खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ रहे हैं। डोमिनिका में पहले मैच से बस कुछ ही दिन दूर हैं, लेकिन यह एक युवा समूह है, जिसका नेतृत्व क्रैग ब्रैथवेट कर रहे हैं।”

- ब्रायन लारा

वेस्टइंडीज के पूवर क्रिकेटर भारत के खिलाफ श्रृखला को लेकर

आज का खिलाड़ी ▶

स्टोक्स

बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड टीम ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में 3 विकेट से जीत दर्ज की। इंग्लैंड की इस जीत के साथ ही स्टोक्स ने टेस्ट क्रिकेट में एक बडा इतिहास रच दिया। स्टोक्स सबसे अधिक बार सफलतापूर्वक 250 प्लस का टारगेट चेज करने वाले कप्तान बन गए हैं। उनकी अगुवाई में इंग्लैंड ने 5 बार ऐसा किया है। स्टोक्स से पहले यह धांसू रिकॉर्ड भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम दर्ज था। धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने 4 मर्तबा 250 प्लस का लक्ष्य हासिल किया। लिस्ट में तीसरे नंबर पर ब्रायन लारा और रिकी पोंटिंग हैं।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट विश्व कप के इतिहास में पहली गेंद 7 जून 1975 को लार्ड्स के मैदान पर भारत के मदनलाल द्वारा इंग्लैण्ड के डैनिश एमिस को फेंकी गई थी।

श्रीलंका ने जीता विश्व कप क्वालीफायर

हरारे, 9 जुलाई । सहान अराच्चिगे (57) के जुझारू अर्द्धशतक और महीष तीक्षणा (31/4) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर के फाइनल में रविवार को नीदरलैंड को 128 रन से रौंदकर खिताब अपने नाम किया।

सहान के अर्द्धशतक की सहायता से श्रीलंका ने नीदरलैंड के सामने 234 रन का लक्ष्य रखा। नीदरलैंड इसके जवाब में 105 रन पर ऑलआउट हो गयी। युवा ऑफ-स्पिनर तीक्षणा ने 6.3 ओवर में 31 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिये। दिलशन मदुशंका ने सात ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि वानिंदू हसरंगा ने सात ओवर में 35 रन देकर दो सफलताएं हासिल कीं। नीदरलैंड ने खिताबी मुकाबले में टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और श्रीलंका की धीमी शुरुआत के बाद उसके दोनों सलामी बल्लेबाजों को 44 रन पर पवेलियन लौटा दिया। पथुम निसंका ने 33 गेंद पर तीन चौकों की सहायता से 23 रन बनाये, जबकि सदीरा समरविक्रमा ने 23 गेंद पर 19 रन का योगदान दिया।

शुरुआती झटकों के बाद कुसल मेंडिस और सहान ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिये 72 रन की साझेदारी की। मेंडिस ने 52 गेंद पर पांच चौकों और एक छक्के की सहायता से 43 रन बनाये और उनका विकेट गिरने के बाद सहान ने चरित असलंका (36 गेंद, 36 रन) के साथ भी पांचवें विकेट के लिये 64 रन जोड़। सहान ने श्रीलंका के लिये 71 गेंद पर चार चौके लगाकर सर्वाधिक 57 रन बनाये। इसके अलावा हसरंगा (21 गेंद, 29 रन) और मतीशा पथिराना (30 गेंद, 13 रन) ने श्रीलंका को ऑलआउट होने से पहले 47.5 ओवर में 233 रन तक पहुंचाया। यह स्कोर नीदरलैंड के लिये बहुत बडा साबित हुआ डच टीम के लिये सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडाउड ने सर्वाधिक 33 रन बनाये।

लीड्स टेस्ट जीतकर इंग्लैंड ने एशेज़ को जीवंत रखा

लीड्स, 9 जुलाई । इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक (75) के अर्द्धशतक की बदौलत रोमांचक तीसरे एशेज़ टेस्ट में रविवार को ऑस्ट्रेलिया को तीन विकेट से हराकर शृंखला को जीवंत रखा।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के सामने 251 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे इंग्लैंड ने सात विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। यह पांच मैचों की घरेलू एशेज़ शृंखला में इंग्लैंड की पहली जीत है और ऑस्ट्रेलियाई टीम अब सिर्फ 1-2 से आगे है।

इंग्लैंड की इस अत्यंत महत्वपूर्ण जीत में ब्रूक ने 93 गेंद पर नौ चौकों की मदद से 75 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड ने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ब्रूक के रूप में अपना सातवां विकेट गंवाया, लेकिन क्रिस वोक्स (32 नाबाद) और मार्क वुड (16 नाबाद) ने 24 रन की बहुमूल्य साझेदारी कर मेज़बान टीम को जीत दिलाई।

इंग्लैंड ने चौथे दिन की शुरुआत 27/0 से की और उसे जीत के लिये 224 रन चाहिये थे। बेन डकेट (23) ने शुरुआती ओवरों में सकारात्मकता दिखाई लेकिन मिचेल स्टार्क ने जल्द ही उन्हें पवेलियन लौटा दिया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मोईन अली भी स्टार्क की गेंद पर बोल्ड होने से पहले पांच रन ही बना सके। दूसरे छोर से सलामी बल्लेबाज़ ज़ैक क्रॉली ने इंग्लैंड की पारी को संबल दिया। इंग्लैंड के लिये लक्ष्य तक पहुंचना आसान हो सकता था लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने अलग-अलग प्रयोग करते हुए लगातार विकेट चटकाना जारी रखा। कैमरन ग्रीन की जगह टीम में आये हरफनमौला मिचेल मार्श ने सीरीज में अपना पहला स्पेल डालते हुए क्रॉली को 44 रन के स्कोर पर विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैचआउट करवाया। इसके अलावा कैरी ने पैट कमिंस की गेंद पर जो रूट (21) का और स्टार्क की गेंद पर बेन स्टोक्स (13) का कैच भी लपका। इंग्लैंड की आधी टीम के 161 रन पर पवेलियन लौटने के बाद जीत की ज़िम्मेदारी जॉनी बेयरस्टो के अनुभवी कंधों पर थी लेकिन स्टार्क ने उन्हें मात्र पांच रन के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। इंग्लैंड को संकट की स्थिति में पाकर युवा प्रतिभा ब्रूक ने जीत की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर ली। उन्होंने संयम के साथ खेलते हुए 67 गेंद में अपना अर्द्धशतक पूरा किया। दूसरे छोर से क्रिस वोक्स ने पारी की रफ्तार बरकरार रखते हुए 39वें ओवर में बोलैंड को दो चौके जड़। ब्रूक और वोक्स के बीच सातवें विकेट के लिये 59 रन की अर्द्धशतकीय साझेदारी हुई, जिससे मैच इंग्लैंड के पक्ष में झुक गया। स्टार्क ने हालांकि 230 रन के स्कोर पर इंग्लैंड को ब्रूक के रूप में एक और झटका दिया। इस समय इंग्लैंड जीत से 21 रन दूर था, लेकिन नवागंतुक बल्लेबाज वुड ने एक छक्का और एक चौका जड़कर ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदें लगभग समाप्त कर दीं। वुड ने सिर्फ आठ गेंदें खेलकर 16 रन बनाये, जबकि 47 गेंद पर 32 रन बनाने वाले वोक्स ने चौका लगाकर हेडिंग्ले में एक बार फिर इंग्लैंड की विजय पताका लहराई।

रूस की किशोरी एंड्रीवा अपने पदार्पण विम्बलडन के चौथे दौर में पहुंची

विम्बलडन, 9 जुलाई । पहली बार विम्बलडन में खेल रही रूस की सोलह वर्षीय मीरा एंड्रीवा ने रविवार को इस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की की।

एंड्रीवा 2019 में कोको गॉफ के बाद विंबलडन में महिलाओं के चौथे दौर में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। वह इस साल के अपने पहले बड़ टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन में तीसरे दौर में पहुंचीं थी। एंड्रीवा ने दूसरे सेट में 4-1 से पिछड़ने के बावजूद 22वीं वरीयता प्राप्त अनास्तासिया पोटापोवा को 6-2, 7-5 से हराया।

उन्होंने इस जीत के बाद कहा, “मैं 1-4 से पिछड़ रही थी, ऐसे में यह जीत शानदार है।”

एंड्रीवा के सामने अब 25वीं वरीयता प्राप्त अमेरिका की खिलाड़ी मेडिसन कीज की चुनौती होगी। एंड्रीवा की जीत से पहले चेक गणराज्य की मार्केटा वोंड्रोसोवा विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बनी।

वोंड्रोसोवा ने 32वीं वरीयता प्राप्त मैरी बौजकोवा को 2-6, 6-4, 6-3 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में वोंड्रोसोवा को जेसिका पेगुला से भिड़ना होगा। चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका की पेगुला ने लेस्या त्सुरेंको 6-1, 6-3 से मात दी। पुरुषों में 21वीं वरीयता प्राप्त ग्रिगोर दिमित्रोव भी चौथे दौर में पहुंचने में सफल रहे।

फ्रांसिस टियाफो के खिलाफ शनिवार को शुरू हुआ उनका मुकाबला रविवार को खत्म हुआ। दिमित्रोव ने इस मैच को 6-2, 6-3, 6-2 से जीता। वह अगले दौर में छठी वरीयता प्राप्त होग्लर रूने का सामना करेंगे।

प्रसिद्ध डच कोच डेनिस से गुर सीखेंगे भारतीय गोलकीपर

नयी दिल्ली, 9 जुलाई । नीदरलैंड के जाने-माने हॉकी गोलकीपिंग कोच डेनिस वैन डे पोल भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपरों के लिये दो विशेष शिविर आयोजित करने वाले हैं।

हॉकी इंडिया ने रविवार को यह जानकारी देते हुए एक विज्ञिप्त में बताया कि भारतीय टीम के साथ डेनिस का पहला शिविर 13 जुलाई को शुरू होगा और 19 जुलाई को समाप्त होगा।

हांग्झोउ एशियाई खेलों से पहले डेनिस सात सितंबर से 14 सितंबर तक टीम के साथ एक और प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के लिये भारत लौटेंगे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केन्द्र में एक सप्ताह तक चलने वाले शिविर के दौरान विशेष सत्र में भाग लेगी, जिसकी देखरेख भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन करेंगे। शिविर में गोलकीपर पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक, सूरज करकेरा, प्रशांत कुमार चौहान और पवन मलिक शामिल होंगे। यह शिविर एशियाई खेलों के लिये भारतीय पुरुष हॉकी टीम की तैयारियों का हिस्सा है। एशियाई खेलों से पहले भारतीय टीम स्पेनिश हॉकी फेडरेशन की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 25-30 जुलाई के बीच इंग्लैंड, नीदरलैंड और मेजबान स्पेन के खिलाफ एक चतुष्कोणीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। इसके अलावा भारत को अगस्त में एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी चेन्नई में भी भाग लेना है।

डेनिस नीदरलैंड में ड्रिज्वर गोली अकादमी और केएनएचबी (कोनिंकलीके नेदरलैंड्स हॉकी बॉन्ड) के साथ काम कर चुके हैं और अब डच युवा राष्ट्रीय टीमों को प्रशिक्षित करते हैं। उन्होंने अतीत में भी भारतीय टीम के लिये शिविर आयोजित किये हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप टिर्की ने शिविरों की घोषणा करते हुए कहा, हमें भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ काम करने के लिये प्रशिक्षण शिविर में डेनिस वैन डी पोल को वापस पाकर खुशी हो रही है। यह वर्ष की एक बहुत ही महत्वपूर्ण अवधि है और अपने कौशल को निखारने में सर्वोत्तम मदद करना टीम के लिये फायदेमंद होगा। मुझे यकीन है कि शिविर भारतीय टीम के लिये गहन और उपयोगी होगा।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, डेनिस वैन डी पोल एक शानदार कोच हैं। यह भारतीय पुरुष हॉकी टीम के लिये बहुत अच्छा है कि वह कैलेंडर में एक बहुत ही महत्वपूर्ण चरण से पहले टीम की मदद करने के लिये वापस आ गये हैं।”

डेनिस ने कहा, मैं एक छोटे शिविर के लिये भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ वापस आने का इंतजार कर रहा हूं। यह एक शानदार टीम है और इस टीम के साथ काम करना हमेशा बहुत रोमांचक होता है। हमारे पास पहले कुछ उत्कृष्ट सत्र थे, और मैं आगामी शिविर के लिये शुरुआत करने का इंतजार नहीं कर सकता।

मोहन बागान में शामिल हुए अनवर अली

कोलकाता, 9 जुलाई । भारतीय घरेलू फुटबॉल के शीर्ष डिवीजन क्लब मोहन बागान सुपर जाइंट ने भारतीय राष्ट्रीय टीम के डिफेंडर अनवर अली के साथ अनुबंध की घोषणा रविवार को की। क्लब ने फिलहाल सौदे के विवरण का खुलासा नहीं किया है।

मोहन बागान ने ट्विटर पर भारतीय फुटबॉल में अनवर की यात्रा का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, योद्धा आ गया ! अनवर अली अब एक मरीनर हैं। अनवर ने दिल्ली एफसी से ऋण पर 2022-23 घरेलू सत्र एफसी गोवा के लिये खेला था। पंजाब के 22 वर्षीय अनवर कोच इगोर स्टिमाच के मार्गदर्शन में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में भारतीय टीम की हालिया सफलता में अहम भूमिका निभा रहे हैं। भारत घरेलू सरज़मीन पर पिछले 11 मैचों में अजेय रहा है और बीते चार माह में ट्राई-नेशन सीरीज, इंटरकॉन्टिनेंटल कप और सैफ चैंपियनशिप सहित तीन खिताब जीत चुका है। मिनर्वा पंजाब से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अनवर भारत में आयोजित फीफा अंडर-17 विश्व कप में खेलने वाली भारत की अंडर-17 टीम का हिस्सा थे।

हरमनप्रीत का अर्द्धशतक, भारत की आसान जीत

ढाका, 9 जुलाई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (54 नाबाद) के अर्द्धशतक और स्मृति मंधाना (38) के साथ उनकी 70 रन की साझेदारी की बदौलत भारत ने पहले महिला टी20 में रविवार को बंगलादेश पर सात विकेट की आसान जीत दर्ज की।

बंगलादेश ने भारत के सामने 115 रन का मामूली लक्ष्य रखा, जिसे हरमनप्रीत की टीम ने तीन विकेट गंवाकर 16.2 ओवर में हासिल कर लिया। हरमनप्रीत ने इस एकतरफा जीत में 35 गेंद पर दो छक्कों और छह चौकों की सहायता से नाबाद 54 रन बनाते हुए मंधाना के साथ तीसरे विकेट के लिये 70 रन की साझेदारी की। मंधाना लक्ष्य तक पहुंचने से पहले आउट हो गयीं, लेकिन हरमनप्रीत ने 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई।

भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाज़ी का फ़ैसला किया और रनों पर लगाम कसते हुए पावरप्ले में शमीमा सुल्तान (13 गेंद, 17 रन) का विकेट निकाला। शुरुआती चार ओवरों में मात्र 16 रन बनने के बाद शमीमा ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहीं मिन्नू मणि को एक छक्का और एक चौका लगाया, लेकिन ओवर की चौथी गेंद पर वह जेमिमा रॉड्रिग्स को कैच देकर पवेलियन लौट गयीं।

पावरप्ले के बाद साथी रानी ने सातवें ओवर में अमनजोत कौर को तीन चौके लगाकर रनगति बढ़ाना चाही लेकिन वह भी आउट होने से पहले 26 गेंद पर 22 रन ही बना सकीं। बंगलादेश की पारी में बड़ी साझेदारियां न होना उनकी सबसे बड़ी समस्या रही। कप्तान निगार सुल्तान सात गेंद पर दो रन बनाकर आउट हुईं, जबकि शोर्ना अख्तर के साथ चौथे विकेट के लिये 21 रन जोड़ने के बाद शोभना मोस्तरी भी रनआउट हो गयीं।

शोभना ने 33 गेंदें खेलीं लेकिन वह दो चौकों की मदद से 23 रन ही बना सकीं। शोर्ना ने अंतत: रितु मोनी के साथ पांचवें विकेट के लिये 33 रन की साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। रितु (13 गेंद, 11 रन) आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर रनआउट हो गयीं, जबकि शोर्ना 28 गेंद पर दो छक्कों की सहायता से 28 रन बनाकर नाबाद रहीं। मिन्नू ने तीन ओवर में 21 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि पूजा वस्त्राकर (चार ओवर, 16 रन) और शेफाली वर्मा (तीन ओवर, 18 रन) को भी एक-एक विकेट हासिल हुआ।

भारत के लिये लक्ष्य का पीछा करने उतरीं शेफाली वर्मा को मारूफा अख्तर ने शून्य रन पर पगबाधा आउट किया। जेमिमा रॉड्रिग्स ने 14 गेंदें खेलकर दो खूबसूरत चौके लगाये, लेकिन सुल्ताना खातून की गेंद पर बोल्ड होने से पहले वह भी सिर्फ 11 रन ही बना सकीं। मंधाना ने हालांकि दूसरे छोर से अपना प्रहार जारी रखा और भारत ने पावरप्ले में 41 रन बना लिये। बंगलादेश के गेंदबाजों ने स्पिन के प्रयोग से भारत की रनगति पर लगाम लगानी चाही, हालांकि हरमनप्रीत और मंधाना नियमित अंतराल पर चौके लगाकर पारी को आगे बढ़ाते रहे।

जीसीएल की तर्ज़ पर शतरंज लीग आयोजित करेगा एआईसीएफ

कानपुर, 9 जुलाई । अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने ग्लोबल चेस लीग (जीसीएल) की सफलता से प्रभावित होकर निकट भविष्य में इंडियन चेस लीग के आयोजन की योजना बनायी है।

एआईसीएफ ने वार्षिक आम बैठक के सफल समापन के बाद रविवार को इसकी घोषणा की। इस बैठक में 32 राज्य सदस्य इकाइयों के प्रतिनिधि, सम्मानित गणमान्य व्यक्ति और प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

महासंघ ने एक विज्ञिप्त में कहा,अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के अध्यक्ष डॉ. संजय कपूर ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए घोषणा की कि भारतीय शतरंज लीग अंतत: एक वास्तविकता हो सकती है क्योंकि उन्होंने निकट भविष्य में इसके लिये निविदाएं आमंत्रित करने की घोषणा की है।

विज्ञिप्त में कहा गया कि दुबई में हाल ही में समाप्त हुई ग्लोबल चेस लीग की भारी सफलता के बाद इंडियन चेस लीग की घोषणा लगभग ज़रूरी हो गयी थी। डॉ. संजय कपूर ने कहा,निश्चित रूप से इंडियन (चेस) लीग जल्द ही आयोजित होगी, हम एक नयी प्रक्रिया पर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं जो जल्द ही लागू होगी। उल्लेखनीय है कि जीसीएल का आयोजन अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) और टेक महिंद्रा के संयुक्त प्रयास से हुआ था। लीग प्रारूप में खेले गये इस टूर्नामेंट में महिला, पुरुष एवं युवा खिलाड़ियो से सजी छह फ्रेंचाइजियों ने हिस्सा लिया था।

इस बीच, एआईसीएफ ने सितंबर में चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिये टीम की घोषणा की। ग्रैंड मास्टर डी गुकेश, विदित गुजराती, पी हरिकृष्णा, अर्जुन एरीगैसी और आर प्रगनानंद ओपन खंड में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे, जबकि महिलाओं में कोनेरू हम्पी, डी हरिका, आर वासिहाली, वंतिका अग्रवाल और बी सविता श्री महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी।

व्यक्तिगत वर्ग में विदित और अर्जुन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि हम्पी और हरिका महिलाओं की रैपिड प्रतियोगिता में भाग लेंगी। महासंघ ने बैठक में सभी राज्यों के लिये एक विकास कार्यक्रम बनाने की योजना तैयार की, जिसके संबंध में एआईसीएफ के सभी सहयोगी संघों को 200 शतरंज सेट और सात लाख रुपये प्रति वर्ष मिलेंगे।

प्रियांश बने अंडर-21 कंपाउंड विश्व चैंपियन

लिमरिक (आयरलैंड), 9 जुलाई । भारत के प्रियांश विश्व तीरंदाज़ी यूथ चैंपियनशिप की अंडर-21 कंपाउंड प्रतियोगिता में स्वर्ण जीतकर विश्व चैंपियन बन गये हैं। प्रियांश ने शनिवार को खेले गये पुरुषों के अंडर-21 व्यक्तिगत फाइनल में स्लोवेनिया के अल्जाज ब्रेन्क को 147-141 से हराकर स्वर्ण हासिल किया। प्रियांश के लिये शुरूआती दौर काफी कड़ा रहा, जहां पूर्व अंडर-18 विश्व चैंपियन ब्रेन्क ने लक्ष्य के करीब दो तीर मारकर भारतीय खिलाड़ी को 29-29 से बराबरी पर ला दिया। प्रियांश ने दूसरे राउंड में धैर्य दिखाया और 30 के सटीक स्कोर के साथ अपने प्रतिद्वंदी पर तीन पॉइंट की बढ़त बना ली। चौथे राउंड के अंत तक प्रियांश की बढत छह पॉइंट तक पहुंच गयी। पांचवें और आखिरी राउंड में दोनों शूटरों ने 29 पॉइंट स्कोर किये, लेकिन यह प्रियांश को जीत दिलाने के लिये काफी था। इससे पहले, अदिति स्वामी ने महिलाओं का अंडर-18 खिताब जीतने के लिये अमेरिका की लीन ड्रेक को 142-136 से हराया था। अदिति ने फाइनल में पहले चरण से ही दबदबा बनाये रखा और तीसरे राउंड तक पांच अंकों की बढ़त ले ली। ड्रेक इस स्थिति से वापसी नहीं कर सकीं और अदिति ने टूर्नामेंट में भारत के लिये चौथा स्वर्ण पदक पक्का कर दिया। अदिति ने पिछले विश्व कप में सीनियर वर्ग में पदार्पण करते हुए टीम कांस्य पदक जीता था। अदिति ने पिछले साल शारजाह में एशिया कप तीसरे चरण में व्यक्तिगत रजत पदक भी जीता है। भारत की दिन के तीसरे पदक की उम्मीद तब खत्म हो गई जब अवनीत कौर अंडर-21 कंपाउंड के कांस्य पदक मुकाबले के शूट-ऑफ में ग्रेट ब्रिटेन की हॉली बोल्टन से हार गयीं। हॉली ने 138-138 की बराबरी के बाद शूट-ऑफ में भारतीय तीरंदाबज़ को 10-9 से परास्त किया। भारत ने अब तक इस प्रतियोगिता में पांच स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित नौ पदक जीत चुका है।

कनाडा ओपन : लक्ष्य फाइनल में, सिंधु बाहर

कैलगरी, 9 जुलाई । युवा भारतीय शटलर लक्ष्य सेन रविवार को कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिटमोटो को हराकर 15 महीने बाद अपने पहले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल में पहुंच गये।

अल्मोड़ा से आने वाले 21 वर्षीय लक्ष्य ने 44 मिनट चले सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त निशिमोतो को 21-17, 21-14 से मात दी। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 इवेंट के फाइनल में उनका सामना चीन के ली शी फेंग से होगा।

लक्ष्य ने अपना आखिरी फाइनल अगस्त 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में खेला था। बीते कुछ महीनों से खराब फॉर्म के कारण विश्व रैंकिंग में 19 पायदान फिसले लक्ष्य का इस सीजन का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन थाईलैंड ओपन में आया था, जहां वह सेमीफाइनल में हारकर तीसरे स्थान पर रहे थे। लक्ष्य ने जीत के बाद कहा, ”(मुकाबले में) मेरी शुरुआत अच्छी नहीं थी। जब मुझे नेट पर लय हासिल हुई तब स्थिति थोड़ी बेहतर हुई। नेट पर सटीक खेल खेलना ज़रूरी था और हम दोनों वही करने की कोशिश कर रहे थे।” उन्होंने कहा, ”अंतत:, मैं नेट पर नियंत्रण पाने में कामयाब रहा। स्मैश शॉट भी काम कर रहा था। कुल मिलाकर यह बेहद ही चतुराई से खेला गया मुकाबला था और मैं अपने प्रदर्श से खुश हूं।” इस बीच, अनुभवी शटलर पी.वी. सिंधु महिला एकल सेमीफाइनल में विश्व नंबर एक अकाने यामागुची के हाथों 14-21, 15-21 से हार गयीं। मौजूदा विश्व चैंपियन के खिलाफ सिंधु की यह लगातार दूसरी हार थी। सिंधु सिंगापुर ओपन के शुरुआती दौर में भी यामागुची से हारी थीं। हाल ही में विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर होने वाली सिंधु बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर लगातार खराब फॉर्म से गुज़र रही हैं। सिंधु का आखिरी खिताब अगस्त 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में आया था, लेकिन वहां टखने में चोट लगने के कारण वह छह महीने के लिये कोर्ट से दूर हो गयी थीं। जनवरी में चोट से वापसी करने के बाद उन्होंने कोई खिताब नहीं जीता है।

आईसीसी बोर्ड की सालाना बैठक में बीसीसीआई के राजस्व पर लगेगी मुहर, वनडे के भविष्य पर होगी चर्चा

नयी दिल्ली, 9 जुलाई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सोमवार से होने वाली सालाना बोर्ड बैठक के दौरान इस खेल निकाय के वार्षिक राजस्व में से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को 231 मिलियन डॉलर (लगभग 19 अरब रुपये) के हिस्से को मंजूरी मिलना लगभग तय है।

डरबन में इस चार दिवसीय बैठक के दौरान वनडे के भविष्य (खास कर द्विपक्षीय श्रृंखला) और किसी खिलाड़ी के द्वारा टी20 लीग में भागीदारी की सीमा पर भी चर्चा होगी। इस दौरान सदस्यों को अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप की तैयारियों के बारे में अपडेट मिलने की भी उम्मीद है। इस बैठक का सबसे बडा मुद्दा राजस्व कर वितरण है।

भारत को 2024-2027 के बीच की अवधि के लिए आईसीसी के 600 मिलियन डॉलर (लगभग 49.5 अरब रुपये)के वार्षिक राजस्व से 38.5 प्रतिशत (230 मिलियन डॉलर वार्षिक) का बडा हिस्सा मिलने का प्रस्ताव है। पड़ोसी देश पाकिस्तान को इस पर कुछ आपत्ति है लेकिन यह समझा जाता है कि इसे बिना किसी परेशानी के बोर्ड की मंजूरी मिल जाएगी। आईसीसी की वित्तीय और वाणिज्यिक मामलों (एफ एंड सीए) समिति इसकी मंजूरी देगी और इसके बाद निदेशक मंडल की बैठक में यह महज औपचारिकता भर होगा। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने ‘कहा, “अगर कोई प्रतिशत को आधार बना कर देखें तो राजस्व वितरण अनुचित लग सकता है, जिसमें भारत को 38.5 प्रतिशत और ईसीबी(इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड) को 6.89 प्रतिशत और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को 6.25 प्रतिशत मिलेगा। इस राजस्व को प्रतिशत की जगह मात्रा के नजरिये से देखना चाहिये।” उन्होंने कहा, “सदस्य देशों को पिछले आठ वर्षों में जो रकम मिली है यह उसकी तुलना में काफी अधिक है।” उन्होंने कहा, “इंग्लैंड का हिस्सा 41 मिलियन डॉलर (लगभग 3.3 अरब रुपये) है जबकि पिछले चक्र में उसे 16 मिलियन डॉलर(लगभग 1.32 अरब रुपये)मिले थे। इसी तरह एसोसिएट देशों को 22 मिलियन डॉलर की जगह 67 मिलियन डॉलर मिलेंगे।” उन्होंने कहा, “, इस प्रतिशत की गणना क्रिकेट रैंकिंग , आईसीसी टूर्नामेंटों में प्रदर्शन और खेल में व्यावसायिक योगदान पर आधारित है । भारत खेल के व्यावसायिक पहलू में महत्वपूर्ण योगदान देता है।” जब उन से पूछा गया कि क्या अन्य सदस्य देशों को वितरण असमान लगता है, उन्होंने जवाब दिया, “असमानता का सवाल ही नहीं उठता क्योंकि राजस्व की मात्रा बढ गई है।

ऐसा नहीं है कि सिर्फ ही बीसीसीआई उसी राजस्व से अधिक पैसा ले रहा है।” डरबन बैठक में द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला का भविष्य पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। सदस्य देश इस बैठक के दौरान 2028-32 के बीच पांच साल के कैलेंडर को तैयार करने पर चर्चा करेगे।

विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित आईसीसी आयोजनों के अलावा केवल भारत जैसे देश ही 50 ओवर के मैच के लिए दर्शकों को आकर्षित कर सकते हैं। टी20 क्रिकेट के आगमन और साल भर लीग क्रिकेट के आयोजन के साथ हर दो साल में होने वाले एक वैश्विक टूर्नामेंट के बीच अब कोई भी सदस्य देश पांच मैचों या तीन मैचों की द्विपक्षीय श्रृंखला के भविष्य के बारे में बहुत निश्चित नहीं हो सकता है। आईसीसी बोर्ड के एक अन्य सदस्य ने कहा, “प्रसारक भी अब बडी टीमों की टेस्ट श्रृंखला और टी20 श्रृंखला पर ध्यान दे रहे हैं।

सात घंटे की वनडे और महत्वहीन द्विपक्षीय श्रृंखलाओं से अब ज्यादा राजस्व नहीं आ रहा है। सदस्य देशों को इस पहलू पर गहन विचार-विमर्श करने की जरूरत है।” इस बैठक में एक बडा मुद्दा खिलाड़ियो के लिए अंतरराष्ट्रीय लीग में खेलने की सीमा तय करना होगा। बडी संख्या में खिलाड़ी अब राष्ट्रीय टीम की जगह दुनिया भर के टी20 लीग में खेलने को तरजीह दे रहे हैं।

बैठक कार्यक्रम: सोमवार: एसोसिएट सदस्य देशों की बैठक। मंगलवार: मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की बैठक। बुधवार: वित्तीय और वाणिज्यिक मामले (एफ एंड सीए) से जुड़े अधिकारियों की बैठक। गुरुवार: निदेशक मंडल की बैठक और एजीएम।